मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से समत्व भवन में मंगलवार को भोपाल पधारे बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री ने पं. शास्त्री का अंगवस्त्रम् ओढ़ाकर स्वागत किया, उन्हें बाबा महाकाल की प्रतिमा भेंट की। पं. धीरेंद्र शास्त्री ने डॉ. यादव को बागेश्वर धाम द्वारा संचालित संस्थानों की जानकारी दी और उन्हें कामधेनु गौमाता की प्रतिमा भेंट की।

# एकसाथ 12 उद्यानिकी फसलों को जीआई टैग

**मप्र ने रचा इतिहास**

**राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः** मध्यप्रदेश ने उद्यानिकी क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए एक साथ 12 उद्यानिकी फसलों को भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग दिलाकर देश में नया इतिहास रच दिया है। पहली बार किसी राज्य की इतनी बड़ी संख्या में उद्यानिकी फसलों को एक साथ जीआई टैग मिला है।

इस उपलब्धि से प्रदेश की पारंपरिक कृषि पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलने के साथ किसानों की आय बढ़ाने के अवसर भी मजबूत होंगे। जीआई टैग प्राप्त करने वाली प्रमुख फसलों में गुना का कुम्भराज धनिया, नरसिंहपुर बरमान घाट का भटा (बैंगन), बैतूल का गजरिया आम, खरगोन की लाल मिर्च, मांडू की खुरासानी इमली, जबलपुर की हरी मटर और सिंघाड़ा, सिवनी का सीताफल, मालवी आलू एवं गराड़ू, नरसिंहपुर का गुड़, आलीराजपुर का नूरजहां आम, बुरहानपुर का केला, इंदौरी जीरावन, रतलाम-सैलाना की बालम ककड़ी तथा छतरपुर का पान शामिल हैं।

प्रदेश सरकार ने उज्जैन की इमली, आलीराजपुर के अचारी आम, मालवा के सफेद प्याज, झाबुआ के दाल पानिया, मंदसौर के देशी जीरे, बुरहानपुर की जलेबी और अशोकनगर की खिरनी सहित कई अन्य उत्पादों को भी जीआई टैग दिलाने के लिए प्रस्ताव भेजे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि उद्यानिकी फसलें किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने किसानों से पारंपरिक खेती के साथ उद्यानिकी फसलों को अपनाने का आह्वान किया। वर्तमान में प्रदेश में लगभग 28 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में उद्यानिकी फसलों की खेती हो रही है, जिसे वर्ष 2030 तक बढ़ाकर 30 लाख हेक्टेयर करने का लक्ष्य रखा गया है।

# भारतीय ज्ञान परंपरा नई शिक्षा व्यवस्था का मजबूत आधार : रवि कुमार

**नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः** राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) में भारतीय ज्ञान परंपरा विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विद्या भारती, राजस्थान के प्रांत संगठन मंत्री रवि कुमार ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते प्रभाव के दौर में तकनीक के साथ नैतिकता का समन्वय अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि यह नैतिक दृष्टि भारतीय ज्ञान परंपरा से प्राप्त होती है, जो आधुनिक शिक्षा को मानवीय मूल्यों से जोड़ती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बनाकर देश की सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत को नई पहचान दी है। वर्तमान में विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों में भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं, जिससे विद्यार्थियों को अपनी जड़ों से जुड़ने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने पंचतंत्र को जीवन प्रबंधन, नेतृत्व और नैतिक शिक्षा का उत्कृष्ट स्रोत बताते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकृति के संसाधनों के संतुलित उपयोग का संदेश भी देती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एनआईटीटीटीआर के निदेशक डॉ. सी.सी. त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन में भारतीय ज्ञान परंपरा की महत्वपूर्ण भूमिका है।

## मेट्रो परियोजना में समन्वय बढ़ाने के निर्देश, समयबद्ध कार्य पर जोर

**नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः** नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत भोंडवे ने भोपाल मेट्रो रेल परियोजना के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के लिए सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। मंगलवार को आयोजित स्टेकहोल्डर्स कोऑर्डिनेशन बैठक में उन्होंने कहा कि यह प्रदेश की महत्वाकांक्षी परियोजना है और इसकी सफलता विभिन्न विभागों के बेहतर तालमेल पर निर्भर करती है।

बैठक में मेट्रो निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सड़क निर्माण एवं मरम्मत, जल निकासी व्यवस्था, ड्रेनेज की सफाई तथा वर्षा ऋतु में संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों में आवश्यक इंतजामों पर विस्तार से चर्चा की गई। आयुक्त ने संबंधित विभागों को लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण कर निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

परियोजना के मार्ग में आने वाले अतिक्रमण हटाने, सीवर एवं पेयजल पाइपलाइन की शिफ्टिंग, विद्युत एवं अन्य उपयोगिता सेवाओं के स्थानांतरण, होर्डिंग्स और वृक्षों के वैज्ञानिक विस्थापन जैसे मुद्दों की भी समीक्षा की गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य में किसी प्रकार की बाधा नहीं आनी चाहिए और सभी विभाग तय समयसीमा में अपनी जिम्मेदारियां पूरी करें। आयुक्त ने निर्माण अवधि के दौरान नागरिकों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए प्रभावी यातायात प्रबंधन और विभागों के बीच नियमित संवाद बनाए रखने पर भी जोर दिया।

# बेतवा नदी के पुनर्जीवन के लिए क्षमता वर्धन कार्यशाला शुरू, वैज्ञानिक डीपीआर पर जोर

**राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः** नमामि गंगे मिशन के अंतर्गत बेतवा नदी के वैज्ञानिक एवं समग्र पुनर्जीवन के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार करने संबंधी दो दिवसीय क्षमता वर्धन कार्यशाला का मंगलवार को शुभारंभ हुआ।

मुख्य अतिथि राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा कि नदियां केवल जल स्रोत नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और जीवन का आधार हैं। उन्होंने कहा कि कार्यशाला में दिया जाने वाला प्रशिक्षण व्यावहारिक, उपयोगी और परिणामोन्मुख होना चाहिए, ताकि भविष्य में तैयार होने वाली परियोजनाएं नदी संरक्षण के उद्देश्य को सफलतापूर्वक पूरा कर सकें। उन्होंने डीपीआर तैयार करते समय प्राकृतिक स्रोतों के संरक्षण, पर्यावरण संतुलन और स्थानीय परिस्थितियों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता बताई।

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के कार्यकारी निदेशक बृजेन्द्र स्वरूप ने कहा कि नमामि गंगे मिशन के तहत गंगा की सहायक नदियों, विशेषकर बेतवा नदी के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने मिशन के पांच प्रमुख स्तंभ—अविरल गंगा, निर्मल गंगा, जन गंगा, ज्ञान गंगा और अर्थ गंगा—की जानकारी देते हुए इनके महत्व पर प्रकाश डाला।

नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त संकेत भोंडवे ने विश्वास जताया कि यह कार्यशाला बेतवा नदी के पुनर्जीवन की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी। कार्यक्रम में नमामि गंगे मिशन के निदेशक धीरज जोशी, प्रमुख अभियंता प्रदीप मिश्रा तथा विभिन्न विषय विशेषज्ञ भी उपस्थित रहे।

## राजभाषा सम्मेलन के लिए लोगो निर्माण कार्यशाला

**नप्र, भोपाल :** इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में आगामी राजभाषा सम्मेलन के लिए विशेष प्रतीक चिह्न (लोगो) तैयार करने के उद्देश्य से कार्यशाला आयोजित की गई। संग्रहालय के राजभाषा अनुभाग की ओर से आयोजित इस कार्यशाला में चित्रकारों, कलाकारों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने रचनात्मक भागीदारी करते हुए कई आकर्षक लोगो डिज़ाइन तैयार किए। कार्यशाला का विषय 'राजभाषा, हिंदी दिवस, आज़ादी का अमृत काल एवं सम्मेलन स्थल मुंबई की पृष्ठभूमि ' रखा गया था। प्रतिभागियों ने ऐसे लोगो तैयार किए, जिनमें हिंदी भाषा का महत्व, आज़ादी के अमृत काल की भावना, विकसित भारत का संकल्प तथा मुंबई की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। जनसंपर्क अधिकारी हेमंत बहादुर सिंह परिहार ने प्रतिभागियों को विषयानुकूल और सृजनात्मक लोगो तैयार करने के लिए प्रेरित किया।

# मानव संग्रहालय में सुलेमान हेरेंज को भावभीनी विदाई

**नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः** इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में कार्यालय अधीक्षक सुलेमान हेरेंज के सेवानिवृत्त होने पर मंगलवार को शैलकला भवन में सम्मान एवं विदाई समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर संग्रहालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके लंबे, समर्पित एवं अनुकरणीय सेवाकाल को याद करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। निदेशक डॉ. अमिताभ पांडे ने कहा कि श्री हेरेंज ने अपनी कार्यकुशलता, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से संस्थान की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने उनके स्वस्थ, सक्रिय और सुखद जीवन की कामना करते हुए कहा कि उनकी सेवाएं सदैव प्रेरणादायक रहेंगी।

समारोह में जनसंपर्क अधिकारी हेमंत बहादुर सिंह परिहार सहित अधिकारियों और कर्मचारियों ने श्री हेरेंज के साथ जुड़े अपने अनुभव साझा किए।

## पीएम सूर्य घर योजना से 1010 करोड़ की सब्सिडी

**नप्र, भोपाल :** ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत मध्यप्रदेश में अब तक 1 लाख 43 हजार 150 उपभोक्ताओं को लाभ मिल चुका है। लाभार्थियों के बैंक खातों में 1010.25 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी सीधे हस्तांतरित की गई है। योजना के तहत एक किलोवॉट सौर संयंत्र पर 30 हजार रुपये, दो किलोवॉट पर 60 हजार रुपये तथा तीन किलोवॉट या उससे अधिक क्षमता के संयंत्र पर 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी केंद्र सरकार प्रदान कर रही है।

उन्होंने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ताओं को पीएम सूर्य घर पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसके अलावा संबंधित विद्युत वितरण कंपनी की वेबसाइट, 'उपाय' ऐप, व्हाट्सऐप चैटबॉट और टोल-फ्री नंबर 1912 के माध्यम से भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि सब्सिडी समय पर प्राप्त करने के लिए बैंक खाते, आधार कार्ड और बिजली बिल में दर्ज नाम समान होना आवश्यक है।

# भर्ती परीक्षाओं का मुद्दा विस में उठाएगी कांग्रेस

**नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः** मप्र विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा है कि छात्रों से जुड़े मुद्दे, भर्ती परीक्षाओं में देरी और पेपर लीक के मामलों को कांग्रेस सड़क से लेकर आगामी विधानसभा सत्र तक प्रमुखता से उठाएगी। मंगलवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी 'छात्रों की गूंज' अभियान की जानकारी देते हुए केंद्र और राज्य सरकार की शिक्षा एवं भर्ती व्यवस्था पर सवाल उठाए। श्री सिंघार ने कहा कि देश का युवा पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में देरी, परिणामों के विलंब और शिक्षकों की कमी जैसी समस्याओं से जूझ रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मध्यप्रदेश में भर्ती प्रक्रियाओं में लगातार हो रही देरी से लाखों अभ्यर्थी प्रभावित हैं। उनके अनुसार, सरकारी विश्वविद्यालयों में बड़ी संख्या में शिक्षकों के पद रिक्त हैं, जिससे उच्च शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। पत्रकार वार्ता के बाद कांग्रेस नेताओं ने भोपाल के अंबेडकर पार्क में परीक्षा से जुड़े मामलों में जान गंवाने वाले छात्रों की स्मृति में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में भी भाग लिया।

## डॉ. यादव ने 'हूल दिवस' पर दी वीर शहीदों को श्रद्धांजलि

**नप्र, भोपाल :** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनजातीय वीरता, स्वाभिमान और स्वतंत्रता के प्रतीक 'हूल दिवस' पर जनजातीय अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने ने अपने संदेश में कहा कि दमनकारी शासन व्यवस्था के खिलाफ हुए इस संघर्ष ने संपूर्ण राष्ट्र को स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए अद्भुत जनजागृति प्रदान की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माँ भारती के अमर सपूतों के बलिदान से देश कभी उऋण नहीं हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि सिदो और कान्हू के नेतृत्व में औपनिवेशिक शासन, शोषण और अन्याय के खिलाफ ऐतिहासिक संथाल हूल शुरू करने वाले हजारों बहादुर जनजातीय पुरुषों और महिलाओं को श्रद्धांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 30 जून को झारखंड सहित देश के अन्य राज्यों में हूल दिवस मनाया जाता है।

# लोकमाता अहिल्याबाई : राष्ट्र पुनरुत्थान की संकल्पना पुस्तक का विमोचन

**राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में 'लोकमाता अहिल्याबाई : राष्ट्र पुनरुत्थान की संकल्पना' पुस्तक का विमोचन किया।

मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के व्यक्तित्व, प्रशासनिक क्षमता, सांस्कृतिक दृष्टि और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान का शोधपरक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

पुस्तक में कुल 19 अध्याय शामिल हैं। इनमें नारी स्वाभिमान, समाजोत्थान, सांस्कृतिक पुनर्निर्माण, राष्ट्रीय एकता, न्यायपूर्ण शासन, पंच परिवर्तन, जीवन प्रबंधन, महिला सशक्तीकरण, भारतीय हस्तशिल्प के संरक्षण तथा भारतीय ज्ञान परंपरा में अहिल्याबाई होल्कर के योगदान जैसे विषयों पर विशेषज्ञों के शोध लेख संकलित किए गए हैं। पुस्तक में उनके सुशासन, न्यायप्रियता और सामाजिक सुधारों को राष्ट्र पुनरुत्थान की अवधारणा से जोड़ा गया है।

विमोचन समारोह में मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी के संचालक अशोक कड़ेल, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के निदेशक चंद्रचारु त्रिपाठी तथा माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी उपस्थित रहे।

## राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान आज

**नप्र, भोपाल :** मंत्रालय स्थित वल्लभ भाई पटेल पार्क में राष्ट्र-गीत 'वन्देमातरम' एवं राष्ट्र-गान 'जन-गण-मन' का गायन 1 जुलाई को प्रात: 10:15 बजे किया जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने वल्लभ भवन, विंध्याचल एवं सतपुड़ा भवन के सभी अधिकारी/कर्मचारियों को गायन में प्रात : 10 बजे अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के लिए निर्देश दिये हैं। वर्षा होने की स्थिति में उक्त गायन मंत्रालय क्रमांक-1 स्थित पांचवी मंजिल के कक्ष क्रमांक 506 में होगा।उल्लेखनीय है कि मंत्रालय में प्रत्येक माह के प्रथम कार्य दिवस पर राष्ट्र गीत एवं राष्ट्र गान का आयोजन किया जाता है।

## गुरु हरगोबिंद साहिब के प्रकाश पर्व पर किया नमन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिख पंथ के छठे गुरु, 'मीरी-पीरी' सिद्धांत के प्रणेता और धर्म रक्षक, गुरु श्री हरगोबिंद साहिब के पावन प्रकाश पर्व पर उन्हें नमन किया। डॉ. यादव ने कहा कि गुरु हरगोबिंद साहिब का जीवन, सेवा-अध्यात्म-धर्म और न्याय के लिए समर्पित रहा।

# मंत्रालय की गुफ्तगु...

• डॉ. शिशिर उपाध्याय

### • पहले सवाल, फिर जवाब...

मंत्रालय में हुई कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में एक बड़े जिले के बड़े ज्ञानी साहब अपनी विद्वता का पूरा पिटारा खोलने पहुंचे थे। लेकिन सबसे ऊंची कुर्सी पर बैठे साहब ने शुरुआत में ही ब्रेक लगा दिया। सवाल कुछ और था और साहब जवाब में पूरा महाभारत सुनाने लगे। आखिरकार उन्हें सार्वजनिक रूप से याद दिलाया गया कि यहां परीक्षा में उतना ही लिखना है, जितना पूछा गया है। बाकी ज्ञान अगली बार के लिए बचाकर रखें।

### • इधर-उधर की बात नहीं, रिजल्ट चाहिए...

मुख्यालय की समीक्षा बैठक में राजधानी से करीब 500-600 किलोमीटर दूर वाले जिले के साहब को साफ संदेश मिला कि योजनाओं की कहानी नहीं, जनता तक उसका नतीजा पहुंचना चाहिए। उन्हें यह भी याद दिला दिया गया कि इसी इलाके के एक साहब पहले भी ऐसी ही शिकायतों के कारण घर का रास्ता नाप चुके हैं। अब समझदार के लिए इशारा ही काफी है।

### • कौन कितना ताकतवर, सबको पता चल गया...

तबादलों के मौसम में नेताओं की सिफारिशों वाली नोटशीटें ऐसे दौड़ीं, मानो मंजिल तय हो चुकी हो। विधायक, सांसद, जनप्रतिनिधि और प्रभारी मंत्री सभी ने अपनी-अपनी पसंद भेज दी। लेकिन अंतिम कैंची ऊपर बैठे अफसरों के हाथ में थी। नतीजा यह रहा कि 70 से 90 प्रतिशत नाम फाइलों से ऐसे गायब हुए, जैसे कभी लिखे ही नहीं गए। तब समझ में आया कि असली ताकत स्याही में नहीं, लाल पेन में होती है।

### • ज्यादा होशियारी महंगी पड़ गई...

आदिवासी अंचल के एक जिले में देश के एक बड़े संवैधानिक पद पर बैठे माननीय का दौरा था। साहब ने सोचा, मौका अच्छा है, अपनी कार्यशैली का ट्रेलर दिखा दिया जाए। लेकिन ट्रेलर ऐसा चला कि अब पूरी फिल्म उन्हीं पर बनती नजर आ रही है। अतिउत्साह अब सवालों के घेरे में है और साहब इन दिनों जवाब ढूंढते-ढूंढते बंगले की खिड़कियों से बाहर ज्यादा झांक रहे हैं।

### • भाषण मंच पर, बच्चे प्राइवेट स्कूल में...

एक साहब जब जिले में थे तो बड़े जोश से कहा करते थे कि कलेक्टर, एसपी, मंत्री और विधायक अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में पढ़ा दें, तो शिक्षा व्यवस्था अपने आप सुधर जाएगी। आज वही साहब राजधानी में अपने बच्चों के लिए नामी-गिरामी निजी स्कूल तलाश रहे हैं। पूछने वालों से बस मुस्कुराकर इतना ही कहते हैं— 'भाषण नीति के लिए था, बच्चों का भविष्य निजी मामला है। '

### • कृपा की बारिश अभी बाकी है...

मालवा के एक जिले में लंबे समय से अतिरिक्त जिम्मेदारी निभा रहे साहब तबादलों के मौसम में कृपा वर्षा का छाता लेकर खड़े रहे, लेकिन बादल दूसरी दिशा में निकल गए।

अब उन्होंने मौसम विभाग बदलने का फैसला किया है। एक पावर सेंटर से उम्मीद कम होती देख दूसरे और तीसरे दरवाजे पर भी दस्तक शुरू हो गई है। आखिर सरकारी मौसम का कोई भरोसा नहीं, बरसात कहीं से भी हो सकती है।